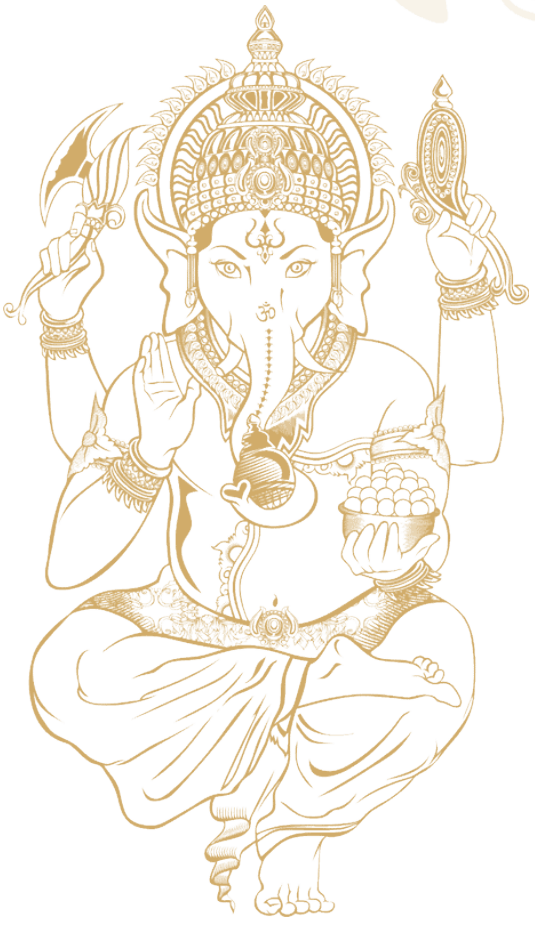

Mr.Raman

Ms.Shalu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120478102

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25-26/01/1995 :	जन्म तिथि	: 01/08/1995
बुध-गुरुवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 00:30:00 :	जन्म समय	: 10:30:00 घंटे
घटी 43:24:13 :	जन्म समय(घटी)	: 12:04:47 घटी
India :	देश	: India
Aligarh :	स्थान	: Aligarh
27:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:54:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:08:18 :	सूर्योदय	: 05:40:05
17:52:41 :	सूर्यास्त	: 19:07:36
23:47:30 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:53

विंशोत्तरी गुरु 1वर्ष 3मा 6दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 9मा 27दि
बुध	09:20:07	तुला	लग्न	कन्या	17:11:22	राहु
03/05/2015	11:32:55	मक	सूर्य	कर्क	14:42:20	29/05/2013
03/05/2032	02:16:37	वृश्चि	चंद्र	कन्या	08:10:00	29/05/2031
बुध 29/09/2017	05:25:28	सिंह व	मंगल	कन्या	12:40:27	राहु 09/02/2016
केतु 26/09/2018	27:28:00	मक	बुध	कर्क	19:17:20	गुरु 04/07/2018
शुक्र 27/07/2021	15:32:06	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	11:44:08	शनि 10/05/2021
सूर्य 02/06/2022	25:07:23	वृश्चि	शुक्र	कर्क	09:15:12	बुध 28/11/2023
चन्द्र 02/11/2023	16:35:25	कुंभ	शनि व	मीन	00:24:30	केतु 15/12/2024
मंगल 29/10/2024	17:00:37	तुला व	राहु व	तुला	06:08:54	शुक्र 16/12/2027
राहु 19/05/2027	17:00:37	मेष व	केतु व	मेष	06:08:54	सूर्य 09/11/2028
गुरु 23/08/2029	03:08:10	मक	हर्ष व	मक	04:16:49	चन्द्र 11/05/2030
शनि 03/05/2032	29:42:43	धनु	नेप व	धनु	29:57:50	मंगल 29/05/2031
	06:24:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	04:02:00	

लग्न-चलित

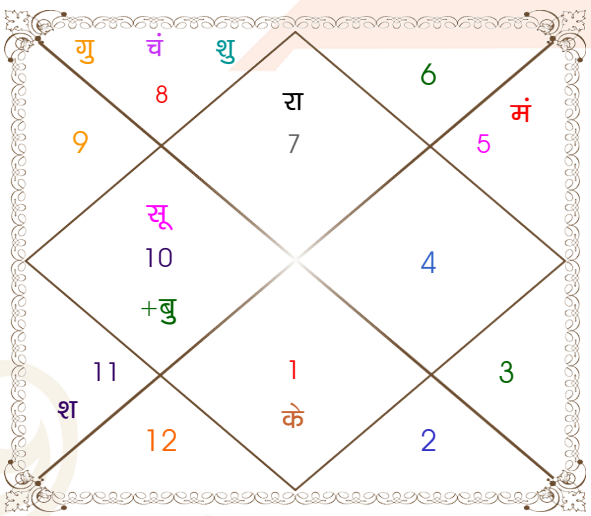

लग्न-चलित

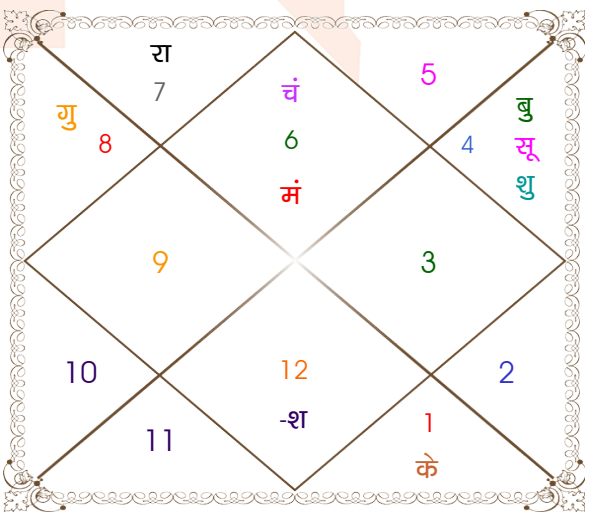

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्त्ंउंद का वर्ग सर्प है तथा डेंर्पेसन का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्त्ंउंद और डेंर्पेसन का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्त्ंउंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेंर्पेसन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेंर्पेसन कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्त्ंउंद कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ट्उंद कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ट्उंद तथा डेर्णैसन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।